VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(15 January 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई से जुड़ा मसौदा समझौता
- बांग्लादेश ने भारत द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने पर आपत्ति क्यों जताई है?
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई से जुड़ा मसौदा समझौता:

चर्चा में क्यों है?

- हमास ने 14 जनवरी को गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष के लिए युद्ध विराम समझौते के मसौदे पर सहमति जताई। एक इजरायली अधिकारी ने बताया कि प्रगति हुई है लेकिन विवरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इजरायल के कैबिनेट को भी इस योजना को अपनी अंतिम स्वीकृति देनी होगी।

- उल्लेखनीय है कि पिछले साल 15 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने और हमास के कब्जे से दर्जनों बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, मिस्र और कतर ने मध्यस्थता करने की कोशिश की है। ध्यातव्य है कि गाजा के अंदर अभी भी करीब 100 इजरायली बंधक हैं, हालांकि इजरायली सेना का मानना है कि उनमें से कम से कम एक तिहाई की मौत हो चुकी है।

गाजा में चल रहे संघर्ष की पृष्ठभूमि:

- उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने 7 अक्टूबर 2023 की सुबह इजरायल पर बर्बरता पूर्वक हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए और महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित 250 से अधिक निर्दोष लोगों को बंधक बना लिया।
- इसके बाद जबाब में गाजा पट्टी में इजरायली सैन्य आक्रमण शुरू हुआ। इस जबाबी कार्यवाही में 64,000 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें 17000 से अधिक हमास लड़ाके भी शामिल हैं।
- संघर्ष शुरू होने के बाद से संघर्ष विराम के लिए भी कई प्रयास किए गए हैं, क्योंकि गाजा में मौत और विनाश ने वैश्विक निंदा को आमंत्रित किया है।

तीन चरणों वाला मसौदा युद्धविराम समझौता:

- तीन चरणों वाली योजना जून 2024 में बिडेन द्वारा निर्धारित रूपरेखा पर आधारित है।
- पहला चरण छह सप्ताह तक चलेगा और इसमें "पूर्ण और संपूर्ण युद्ध विराम", गाजा के सभी आबादी वाले क्षेत्रों से इजरायली सेना की वापसी और हमास द्वारा पकड़े गए 33 इजरायली बंधकों की रिहाई शामिल है - जिसमें सैकड़ों फिलिस्तीनी

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

कैदियों के बदले में महिलाएं, बुजुर्ग और घायल शामिल हैं। 33 में पांच महिला इजराइली सैनिक होंगी, जिनमें से प्रत्येक को 50 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में रिहा किया जाएगा, जिनमें 30 दोषी आतंकवादी शामिल हैं जो आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। पहले चरण के अंत तक, सभी नागरिक बंधक - जीवित या मृत - मुक्त हो चुके होंगे।

- इस पहले चरण के दौरान, इजरायल की सेना आबादी वाले केंद्रों से हट जाएगी, फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा में अपने घरों में लौटने की अनुमति दी जाएगी और हर दिन लगभग 600 ट्रकों के प्रवेश के साथ मानवीय सहायता में उछाल आएगा।
- पहले चरण के दौरान दूसरे चरण के विवरण पर अभी भी बातचीत की जानी है। उन विवरणों को हल करना मुश्किल है - और सौदे में लिखित गारंटी शामिल नहीं है कि जब तक कोई सौदा नहीं हो जाता तब तक युद्ध विराम जारी रहेगा। इससे पहले चरण के समाप्त होने के बाद इजरायल के लिए अपने सैन्य अभियान को फिर से शुरू करने की संभावना बनी रहती है।
- इस चरण में, "हमास शेष जीवित बंधकों, मुख्य रूप से पुरुष सैनिकों को, अधिक कैदियों के बदले में और गाजा से इजरायली सेना की "पूर्ण वापसी" के लिए रिहा करेगा, जैसा कि मसौदा समझौते में कहा गया है"। लेकिन हमास ने कहा है कि

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

वह युद्ध समाप्त होने और इजरायल की पूरी तरह वापसी के बिना शेष बंधकों को रिहा नहीं करेगा, जबकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अतीत में हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को समाप्त किए बिना लड़ाई समाप्त न करने की कसम खाई हुई है।

- अंत में, तीसरे चरण में, गाजा के लिए एक प्रमुख पुनर्निर्माण योजना शुरू की जाएगी और मारे गए बंधकों के अंतिम अवशेष उनके परिवारों को लौटा दिए जाएंगे।

युद्ध विराम के पिछले प्रयास अब तक विफल क्यों हुए हैं?

- हमास ने कहा है कि वह युद्ध के पूरी तरह समाप्त होने और इजरायल की पूरी तरह वापसी के बिना शेष बंधकों को मुक्त नहीं करेगा।
- उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, गाजा में सीमित मानवीय सहायता की अनुमति देने के लिए अस्थायी रूप से युद्ध विराम समझौते लागू किए गए हैं। लेकिन, हमास द्वारा गाजा पट्टी से इजरायल की सैन्य वापसी की मांग -जो इजराइल को अस्वीकार्य है - और इजरायल द्वारा खुद "हमास के पूर्ण विनाश" का प्रण के कारण दीर्घकालिक योजनाएँ विफल हो गई हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- वास्तव में, 14 जनवरी को, घोर दक्षिणपंथी इजरायली मंत्री इटमार बेन-गवीर ने इस समझौते को हमास के सामने झुकने के रूप में वर्णित करते हुए सरकार छोड़ने की धमकी दी है।
- ध्यातव्य है कि इजराइल में, हमास के हमले के बाद युद्ध मंत्रिमंडल को एक साथ लाया गया और इसमें नेतन्याहू की केंद्र-दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी, बेन-गवीर की घोर दक्षिणपंथी यहूदी राष्ट्रीय मोर्चा और कुछ अति-रूढ़िवादी यहूदी नेता शामिल हैं। नेतन्याहू के लिए, इसने उनके राजनीतिक करियर को एक तरह से विस्तार दिया, क्योंकि 7 अक्टूबर से पहले ही कई इजरायली उनसे असंतुष्ट थे।
- लेकिन हमास के साथ समझौते की स्थिति में गठबंधन को एक साथ बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।

बांग्लादेश ने भारत द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने पर आपत्ति क्यों जताई है?

चर्चा में क्यों है?

- भारत ने 13 जनवरी को भारत में बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त को "बाड़ लगाने सहित सीमा पर सुरक्षा उपायों" के बारे में तलब किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्हें बताया गया कि भारत ने बाड़ लगाने के संबंध में दोनों सरकारों और सीमा सुरक्षा बल तथा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच सभी समझौतों का पालन किया है।

- यह तब हुआ जब बांग्लादेश ने ढाका में भारत के उच्चायुक्त को तलब कर "सीमा सुरक्षा बल की हालिया गतिविधियों" पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसमें कहा गया कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से संबंधित द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन किया है।
- भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096.7 किमी. की सीमा है, जो भारत की अपने किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे बड़ी स्थलीय सीमा है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारत द्वारा सीमा पर बाड़ लगाने से जुड़ा वर्तमान विवाद क्या है?

- हाल ही में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB) ने पश्चिम बंगाल के मालदा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ के निर्माण में बाधा डालने का प्रयास किया था। इस घटना का वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था।
- उल्लेखनीय हैं कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के BSF के प्रयास, भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहे हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के कुछ दिनों बाद अगस्त 2024 में पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भी ऐसी ही घटना हुई थी।
- **मालदा का मामला:** केंद्रीय सड़क निर्माण विभाग, सीमा सुरक्षा बल (BSF) के सहयोग से, मालदा के कालियाचक नंबर 3 ब्लॉक में भारतीय सीमा पर, राजशाही जिले में बांग्लादेश के शिबगंज के साथ एक सिंगल रो फेंस (SRF) का निर्माण कर रहा था, जब BGB ने हस्तक्षेप किया।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने की वर्तमान स्थिति:

- भारत के गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल सहित सभी पूर्वी राज्यों को कवर करने वाली भारत-बांग्लादेश सीमा पर कुल 4,156 किलोमीटर में से 3,141 किलोमीटर पर बाड़ लगाई जा चुकी है।

- 2023 में, असम में अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि पश्चिम बंगाल के असहयोग और राज्य में लंबित भूमि अधिग्रहण के कारण भारत-बांग्लादेश सीमा बाड़ लगाने की परियोजना में बाधा उत्पन्न हुई है। पश्चिम बंगाल बांग्लादेश के साथ 2,216.7 किलोमीटर की सीमा साझा करता है, जिस पर 2023 में उस समय तक 81.5 प्रतिशत बाड़ लगाई जा चुकी थी।
- उल्लेखनीय है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बिना बाड़ वाली जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े हैं, जो ग्रामीणों की आपत्तियों, इलाके या बांग्लादेश के साथ चल रही बातचीत के कारण लंबित हैं।
- पश्चिम बंगाल समेत पांच पूर्वी राज्यों से लगी पूरी सीमा का 900 किलोमीटर से ज़्यादा हिस्सा नदी से घिरा हुआ है। पानी पर बाड़ लगाना संभव नहीं है, इसलिए इन हिस्सों की सुरक्षा BSF की जल शाखा करती है।

भारत-बांग्लादेश सीमा प्रबंधन दिशा-निर्देश से जुड़ी चुनौती:

- सीमा प्रबंधन के लिए 1975 के संयुक्त भारत-बांग्लादेश दिशा-निर्देशों के अनुसार, शून्य रेखा या अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 150 गज के भीतर किसी भी पक्ष द्वारा कोई रक्षा संरचना नहीं बनाई जा सकती है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- BSF के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक एस के सूद ने कहा कि भारत तार की बाड़ को रक्षा संरचना नहीं मानता है, लेकिन बांग्लादेश और पाकिस्तान ऐसा मानते हैं।
- उनके अनुसार भारत और बांग्लादेश के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा की जटिलता के कारण, जो विभाजन की विरासत का परिणाम है, पश्चिम बंगाल में लगभग 2,217 किलोमीटर लंबी सीमा पर, कई गांव बाड़ की रेखा के भीतर आते हैं। कभी-कभी, गाँव और घर ठीक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित होते हैं। साथ ऐसे कई मामले हैं जहाँ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 150 गज या उससे आगे बाड़ नहीं बनाई जा सकती है, क्योंकि सीमा गाँवों या नदियों द्वारा चिह्नित है।
- खास मामलों में जहां इलाके और आबादी के कारण 1975 के सीमा दिशा-निर्देशों के तहत बाड़ नहीं लगाई जा सकती, बांग्लादेश को सूचित किया जाता हैं कि सीमा के पास बाड़ लगाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, अगर अंतरराष्ट्रीय सीमा से 20 गज की दूरी पर गांव हैं और गांव को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है, या कोई जल निकाय है तो सीमा पर ही बाड़ लगाने की कोशिश किया जाता है।
- ऐसे मामलों में, BGB के साथ बातचीत की जाती है। बाड़ लगाने पर आपसी सहमति बनने के बाद, BSF द्वारा निर्माण शुरू किया जाता है।

सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर बांग्लादेश की आपत्तियां क्या हैं?

- सिंगल रो फेंसिंग पर बांग्लादेश की आपत्तियाँ मूलतः दो आयामी हैं: पहला, जिसका सबसे अधिक हवाला दिया जाता है, वह है 1975 का समझौता जिसके अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 150 गज के भीतर फेंसिंग नहीं की जा सकती। दूसरा तर्क यह है कि फेंसिंग से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले निवासियों को असुविधा होती है।
- उल्लेखनीय है कि SRF मुख्य रूप से जानवरों की आवाजाही को रोकने और सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए बनाया गया है। इस फेंसिंग में कोई सुरक्षा क्षमता नहीं है। सुरक्षा क्षमता वाली संरचनाओं में कंक्रीट की दीवार/बंकर/कंक्रीट पिल बॉक्स, स्टील टावर, खाई सह बांध और सीमा पर छिपे हुए बंकर होते हैं। इन्हें बांग्लादेश द्वारा उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जा सकता है, लेकिन SRF को नहीं।
- साथ ही बांग्लादेश की BGB को भारत द्वारा "स्मार्ट फेंसिंग" नामक सीमा बाड़ लगाने से भी परेशानी है, जो एक प्रकार की सीमा बाड़ है जिसमें CCTV और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरण लगे होते हैं। BGB ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के 100 गज के भीतर इसकी मौजूदगी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे भारत को उनके क्षेत्र में देखने की क्षमता मिलती है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- जबकि भारत का मानना है कि यह "स्मार्ट फेंसिंग" सीमा के 150 गज के भीतर या अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित गांवों के लिए थी। अनुमान है कि लगभग 60 प्रतिशत सीमा पार अपराध वहीं होते हैं जहां कोई बाड़ नहीं होती और जहां गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा पर होते हैं। इसलिए इस बाड़ लगाने से इस पर अंकुश लगने की उम्मीद थी।

MCQ

Q.1. चर्चा में रहे 'गाजा संघर्ष' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस संघर्ष की शुरुआत आतंकवादी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमले के बाद शुरू हुआ।
2. इस हमले के इजरायली सैन्य जबाबी कार्यवाही में गाजा पट्टी में 64,000 से अधिक लोग मारे गए।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c)

Q.2. खबरों में रहा "फिलाडेल्फी गलियारा", जो की एक बफर सीमा क्षेत्र है, निम्नलिखित किन देश/क्षेत्र के मध्य स्थित है?

(a) रूस- एस्टोनिया के मध्य

(b) मिस्र- ग़ज़ा पट्टी के मध्य

(c) पनामा-मेक्सिको के मध्य

(d) कनाडा- अमेरिका (अलास्का) के मध्य

Ans. (b)

Q.3. चर्चा में रहे 'भारत-बांग्लादेश सीमा' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत और बांग्लादेश के बीच लगभग 4100 किलोमीटर की सीमा है, जिसमें से 3,100 किलोमीटर की बाड़बंदी की जा चुकी है।
2. यह सीमा भारत की अपने किसी भी पड़ोसी देश के साथ दूसरी सबसे बड़ी स्थलीय सीमा है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (a)

Q.4. हाल ही में खबरों में रहे 'भारत-बांग्लादेश सीमा प्रबंधन के लिए 1975 के संयुक्त दिशा-निर्देशों के अनुसार, शून्य रेखा या अंतर्राष्ट्रीय सीमा से कितने भीतर किसी भी पक्ष द्वारा कोई रक्षा संरचना नहीं बनाई जा सकती है?

(a) 1500 गज के भीतर

(b) 1000 गज के भीतर

(c) 500 गज के भीतर

(d) 150 गज के भीतर

Ans. (d)

Q.5. हाल ही में बांग्लादेश ने सीमा पर तारों की बाड़बंदी के भारत के प्रयास पर आपत्ती जताई है। ऐसे में भारत- बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर बांग्लादेश की आपत्तियां के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह बाड़बंदी भारत-बांग्लादेश सीमा प्रबंधन के लिए 1975 के संयुक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।
2. इस फेंसिंग से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले निवासियों को असुविधा होती है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)